DR. G.D. POL FOUNDATION'S

MT AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL NAVI MUMBAI

E-Mail: ymtayurved@drgdpolfoundation.org Phone: 022- 27744406 Fax: 27749895

Institutional Aera, Sector-4, Kharghar, Navi Mumbai 410210

YEAR	No of seats Sanctioned	Faculties Required	Faculties present
2018-19	UG- 100 PG- 54	45 24	88
2019-20	UG- 100 PG- 54	45 24	79
2020-21	UG- 100 PG- 54	45 24	79
2021-22	UG- 100 PG- 54	45 24	86
2022-23	UG- 100 PG- 54	45 24	87

Principal

VD. SANJEEV YADAV
PRINCIPAL
Dr. G. D. POL FOUNDATION
Y.M.T. AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE AND HOSPITAL
Institutional Area Sector - 4,
Kharghar, Navi Mumbai - 410 210..

SCHEDULE-V

[See regulation 3, regulation 6, regulation 7, regulation 8, regulation 10 and regulation 11]

DETAILS OF TEACHING STAFF IN AN AYURVEDIC COLLEGE

S.No. (1)	Teaching Department (2)	Requirement of teaching staff					
		Upto 60 students (3)			From 61 to 100 students (4)		
		Prof.	Reader	Lecturer	Prof.	Reader	Lecturer
(1)	Samhita and Siddhanta	1 or 1		1 Ayurveda and 1 Sanskrit	1	1	1 Ayurved and 1 Sanskrit
(2)	Rachana Sharir	1 or 1		1	1	1	1
(3)	Kriya Sharir	1 or 1		1	1	1	1
(4)	Dravyaguna	1 or 1		1	1	1	1
(5)	Rasashastra evam Bhaisajya Kalpana	1 or 1		1	1	1	1
(6)	Roga Nidan evam Vikriti vigyana	1 or 1		1	1	1	1
(7)	Swasthavritta and Yoga	1 or 1		1	1	1	1
(8)	Agad Tantra evam Vidhi Vaidyaka	1 or 1		1	1	1	1
(9)	Prasuti evam Striroga	1 or 1		1	1	1	2
(10)	Kayachikitsa	1	1	1	1	1	2
(11)	Shalya	1 or 1		1	1	1	1
(12)	Shalakya	1 or 1		1	1	1	1
(13)	Kaumarbhritya (Balaroga)	1 or 1		1	1	1	1
(14)	Panchakarma	1 or 1		1	1	1	1
		15		15	14	14	17
TOTAL		30			45		

Note:

i. Apart from above, one Yoga teacher in the Department of Swasthavritta and Yoga, One Bio- statistician to teach Research Methodology and Medical-statistics and eight Consultants of Modern Medicine as specified at the Schedule-IV (SL. No.14 to 22) shall be engaged for teaching on part time basis.

ii. The requirement of part time teachers shall be minimum any five as mentioned above in point i. for conditional permission to undertake admission for particular academic session.

iii. The deficiency of teachers for up to sixty intake capacity shall not exceed more than ten per cent. of total requirement with availability of minimum one teacher in each of fourteen Departments. The total number of Higher Faculty shall not be less than twelve Professors or Readers distributed in minimum eleven Departments. This relaxation is for seeking conditional permission to undertake admission for particular academic session. For example- the college having up to sixty intake capacity shall have minimum twenty-seven total faculties, out of which minimum twelve Professors or Readers covering not less than eleven Departments.

iv. The deficiency of total teachers for sixty-one to hundred intake capacity shall not exceed more than ten per cent. of total requirement and deficiency of higher faculty shall not exceed more than twenty per cent. of total teachers with availability of minimum one Higher faculty and one Lecturer in each of fourteen Departments. The total number of Higher Faculty shall not be less than nineteen. This relaxation is for seeking conditional permission to undertake admission for particular academic session. For example- the college having sixty-one to hundred seats intake capacity shall have minimum forty total faculties, out of which minimum nineteen Professors or Readers covering all fourteen Departments.

v. Wherever additional Professors or Readers are available in the department, the additional Professor shall be considered against the requirement of Reader or Lecturer and additional Reader shall be considered against the requirement of Lecturer. For example- in a college with intake capacity from sixty-one to hundred under

V D SANJEEV YADAV
Dean
Y.M.T. Ayurvedic Medical
College & Hospital,
Sec - 4, Kharghar,
Navi Mumbai - 410 210

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 397] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 7, 2016/कार्तिक 16, 1938
No. 397] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 7, 2016/KARTIKA 16, 1938

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्
अधिसूचना
नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 2016

सं. 11–76/2016 (यू.जी.रेगु).—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 36 की उप-धारा (1) के खंड (झ), (ञ) और (ट) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, केन्द्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से "भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) (संशोधन) विनियम, 1986 में आगे संशोधन करते हुए निम्न विनियमों का निर्माण करती है, यथाः-

1.संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ :-

(1) इन विनियमों को भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) (संशोधन) विनियम, 2016 कहा जायेगा।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) (संशोधन) विनियम, 1986 की विद्यमान अनुसूची-3 के लिए निम्न को प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :-

अनुसूची-III
(विनियम 7 देखें)

कामिल -ए-तिब-वा--जराहत पाठ्यक्रम हेतु न्यूनतम मानक

1. यूनानी शिक्षा के उद्देश्य एवं प्रयोजन .- यूनानी की स्नातक शिक्षा का उद्देश्य व्यापक प्रायोगिक यूनानी के बुनियादी सिद्धांतो के साथ आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान व व्यवहारिक परीक्षण के संयुक्त गहरी मौलिकता के सम्पन्न उद्रमट विदता के स्नातको को तैयार करना जिससे वे देश की चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं में सहायता करने के लिए पूर्णता सक्षम यूनानी पद्वति के चिकित्सक तथा शल्य चिकित्सक तथा अनुसंधानकृत हो सकेगें।

2. प्रवेशार्हता :- यूनानी की स्नातकीय शिक्षा में प्रवेश योग्यता निम्न प्रकार हैं :-

(A) कामिल-ए-तिब वा जरहात (वैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एण्ड सर्जरी) बी0यू0एम0एस पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यार्थी को निम्न में उत्तीर्ण होना होगा।

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 397] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 7, 2016/कार्तिक 16, 1938
No. 397] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 7, 2016/KARTIKA 16, 1938

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 2016

सं. 11–76/2016 (यू.जी.रेगु).—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 36 की उप-धारा (1) के खंड (झ), (ञ) और (ट) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, केन्द्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से "भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) (संशोधन) विनियम, 1986 में आगे संशोधन करते हुए निम्न विनियमों का निर्माण करती है, यथा:-

1.संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ :-

(1) इन विनियमों को भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) (संशोधन) विनियम, 2016 कहा जायेगा।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) (संशोधन) विनियम, 1986 की विद्यमान अनुसूची-3 के लिए निम्न को प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :-

अनुसूची-III
(विनियम 7 देखें)

कामिल -ए-तिब-वा--जराहत पाठ्यक्रम हेतु न्यूनतम मानक

1. **यूनानी शिक्षा के उद्देश्य एवं प्रयोजन** .- यूनानी की स्नातक शिक्षा का उद्देश्य व्यापक प्रायोगिक यूनानी के बुनियादी सिद्धांतो के साथ आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान व व्यवहारिक परीक्षण के संयुक्त गहरी मौलिकता के सम्पन्न उद्यमट विदता के स्नातको को तैयार करना जिससे वे देश की चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं में सहायता करने के लिए पूर्णता सक्षम यूनानी पद्धति के चिकित्सक तथा शल्य चिकित्सक तथा अनुसंधानकृत हो सकेगें।

2. **प्रवेशार्हता** :- यूनानी की स्नातकीय शिक्षा में प्रवेश योग्यता निम्न प्रकार हैं :-

(A) **कामिल-ए-तिब वा जरहात** (बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एण्ड सर्जरी) बी0यू0एम0एस पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यार्थी को निम्न में उत्तीर्ण होना होगा।

(ख) अनुभव

(i) **प्राध्यापक के पद हेतु:** सम्बन्धित विषय में कुल दस वर्षों का शिक्षण अनुभव अथवा सम्बन्धित विषय में सह–आचार्य (प्रवाचक) के रूप में पांच वर्षों का शिक्षण अनुभव अथवा मान्यता प्राप्त जर्नल में प्रकाशित न्यूनतम पांच शोध पत्रों सहित केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार अथवा संघ शासित क्षेत्रों की अनुसंधान परिषदों अथवा विश्वविद्यालय अथवा राष्ट्रीय संस्थाओं में नियमित सेवा के कुल दस वर्षो का अनुसंधान अनुभव।

(ii) **प्रवाचक अथवा सह–आचार्य के पद हेतु:** सम्बन्धित विषय में पांच वर्षों का शिक्षण अनुभव अथवा मान्यता प्राप्त जर्नल में प्रकाशित न्यूनतम तीन शोध पत्रों सहित केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार अथवा संघ शासित क्षेत्रों की अनुसंधान परिषदों अथवा विश्वविद्यालय अथवा राष्ट्रीय संस्थाओं में नियमित सेवा के कुल पांच वर्षो का अनुसंधान अनुभव।

(iii) **सहायक–आचार्य अथवा व्याख्याता के पद हेतु:** प्रथम नियुक्ति के समय पैंतालीस वर्ष से अनाधिक आयु हो तथा शिक्षण अथवा अनुसंधान का कोई अनुभव अपेक्षित नहीं है।

(ग) **संस्था के प्रमुख के पद हेतु अर्हता एवं अनुभव:** संस्था के प्रमुख (प्रधानाचार्य अथवा अधिष्ठाता अथवा निदेशक) के पद हेतु अर्हता एवं अनुभव प्राध्यापक के पद हेतु निर्धारित अर्हता एवं अनुभव होगा।

(घ) **समवर्गी विषयों का प्रावधान:** तालिका के कॉलम (2) में यथा उल्लिखित सम्बन्धित विषय में स्नातकोत्तर अर्हता धारक अभ्यर्थी के अभाव में तालिका के कॉलम (3) में यथा उल्लिखित समवर्गी विषयों में स्नातकोत्तर अर्हता धारक अभ्यर्थी व्याख्याता अथवा सहायक–आचार्य, प्रवाचक अथवा सह–आचार्य तथा प्राध्यापक के पद हेतु पात्र होंगे:–

तालिका

कम संख्या	आवश्यक विशिष्टता	समवर्गी विषय का नाम
(1)	(2)	(3)
1.	स्वास्थ्यवृत्त	कायचिकित्सा
2.	अगद तंत्र	द्रव्यगुण या रसशास्त्र
3.	रोग विज्ञान	कायचिकित्सा
4.	रचना शारीर	शल्य
5.	किया शारीर	आयुर्वेद संहिता एवं सिद्धान्त अथवा कायचिकित्सा
6.	शालाक्य	शल्य
7.	पंचकर्म	कायचिकित्सा
8.	बालरोग	प्रसूति एवं स्त्रीरोग अथवा कायचिकित्सा
9.	कायचिकित्सा	मानसरोग
10.	शल्य	निश्चेतन एवं क्ष–किरण
11.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	शल्य तंत्र

टिप्पणी 1: समवर्गी विषयों के प्रावधान की अनुमति इन विनियमों के प्रकाशन की तिथि से पांच वर्ष के लिए होगी।

टिप्पणी 2: नियमित डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पी.एच.डी.) धारक का शोध कार्य अनुभव एक वर्ष के शिक्षण अनुभव के समतुल्य माना जाएगा।

20. आयुर्वेद महाविद्यालयों में अनुमति प्रकिया के पूर्ण होने की तिथि तथा प्रवेश हेतु कट ऑफ तिथि–

(1) स्नातकोत्तर पाठ्यकम में प्रवेश लेने हेतु आयुर्वेद महाविद्यालयों को अनुमति प्रदान करने अथवा प्रदान ना करने की प्रकिया प्रत्येक शैक्षणिक सत्र की 31 जुलाई तक पूर्ण कर ली जाएगी।

(2) स्नातकोत्तर पाठ्यकम में प्रवेश हेतु कट ऑफ तिथि प्रत्येक शैक्षणिक सत्र की 30 सितम्बर होगी।

क. नटराजन, निबंधक-सह-सचिव

[विज्ञापन III/4/असा./290 (124)]

टिप्पणी : अग्रेंजी एवं हिन्दी विनियम में कोई विसंगति पायी जाती है, तो अग्रेंजी विनियम नामतः भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (स्नातकोत्तर आयुर्वेद शिक्षा) विनियम, 2016 को अन्तिम माना जायेगा।

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th November, 2016.

No. 4-90/2016-P.G. Regulation.—In exercise of the powers conferred by clauses (i), (j) and (k) of sub-section (1) of section 36 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), and in supersession of the Indian

Note 2: The post-graduate degree holder of newly developed speciality, namely, Ayurveda Vachaspati- Yoga as mentioned in these regulations, may be considered for appointment in their corresponding department mentioned under regulations 4 like holder of Yoga in department of Swasthavritta and Yoga.

6. **Minimum requirement for post-graduate institution where under-graduate course is in existence.** -The post-graduate institute where under-graduate course is in existence shall fulfill following requirements, namely:-

(1) The under-graduate institution which has completed minimum four and half years of under-graduate teaching shall be eligible for applying to start post-graduate courses.

(2) The institute shall satisfy all the minimum requirements of under-graduate training as specified in the Indian Medicine Central Council (Requirements of Minimum Standard for under-graduate Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2016 as amended from time to time.

(3) The institute shall have all the equipment and research facilities required for training in the related speciality and subject as specified in the Indian Medicine Central Council (Requirements of Minimum Standard for under-graduate Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2016 as amended from time to time.

(4) The institute shall have Central Research Laboratory and Animal House for starting post-graduate Course, Animal House shall be either owned or in collaboration.

(5) The existing post-graduate Institutions shall fulfill the requirement as specified in sub-regulation (4) before the 31st December, 2016.

(6) The Additional Ancillary staff like Biochemist, Pharmacologist, Bio Statistician, Microbiologist to be appointed and the Qualification shall be Post Graduate degree in the subject concerned or equivalent qualification from a recognised University.

(7) The minimum additional teaching staff required for starting post-graduate course shall be one Professor or Reader and one Lecturer of the concerned subject, in addition to the teachers stipulated for under-graduate teaching, and the specialty which does not exist as independent department at under-graduate level shall have minimum one Professor or Reader and one Lecturer for starting post-graduate course.

(8) The post-graduate department or specialty shall have minimum one Professor in concerned subject or specialty from the academic session 2017-18.

(9) In each of the department of Rachana Sharira, Kriya Sharira, Dravyaguna, Rasa Shastra evam Bhaishajya Kalpana, Roga Nidana evam Vikriti Vigyana and ShalyaTantra, the following non-teaching staff shall be required in addition to the under-graduate staff requirement:

(i) Laboratory technician	-	1 (one)
(ii) Laboratory assistant	-	1 (one)
(iii) Attendant or Peon or Multipurpose worker	-	1 (one).

(10) The institute shall have a fully equipped hospital consisting of minimum one hundred beds with specialty-wise adequate facilities in all departments as specified in the Indian Medicine Central Council (Requirements of Minimum Standard for under-graduate Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2016 as amended from time to time.

(11) In the post-graduate institute having under-graduate course with upto sixty seats, ten post-graduate seats in clinical subjects shall be admissible within the bed strength as specified in sub-regulation (10) and for more than ten post-graduate seats in clinical subjects, additional beds in the student: bed ratio of 1:4 shall be provided over the bed strength as specified in the sub-regulation (10).

(12) The post-graduate in pre-clinical or para-clinical subject as specified in regulation 4 at serial number 1 to 6 shall be admissible on the basis of bed strength as specified in sub-regulation (10).

(13) The post-graduate institute having under-graduate course with sixty-one to hundred seats shall require additional beds for post-graduate seats in clinical subjects in the student: bed ratio of 1:4 over the bed strength as specified in sub-regulation (10).

(14) The minimum annual average bed-occupancy in In-Patient Department of the hospital during last one calendar year (i.e. 365 days and 366 days in case of a leap year) shall be more than fifty per cent. and minimum daily average attendance of patients in Out-Patient Department of the hospital during last one calendar year (300 days) shall be minimum one hundred and twenty patients per day for the colleges having post-graduate course(s) with upto sixty under-graduate seats and minimum two hundred patients per day for the colleges having post-graduate course(s) with sixty-one to hundred under-graduate seats.